JSC-1-1-HI

मसीह के न्याय आसन के सामने आपको क्या प्रतिफल और न्याय मिल सकता है - प्रोग्राम 1

अनाऊंसर: वचन में विश्वासियों से कहा गया है, कि हम सबको मसीह के न्याय सिंहासन के सामने जाना होगा, लेकीन इस न्याय का उद्देश्य क्या है? क्या यीशु ने हमारे पापों के लिए पूरा दाम नही चुकाया और परमेश्वर उन्हें फिर स्मरण नही करता?

यदि ऐसा है तो फिर विश्वासियों का न्याय मसीह के द्वारा क्यों होगा? इस न्याय का उद्धार से कोई संबन्ध नही है/उद्धार तो पूरी तरह से परमेश्वर का मुफ्त का वरदान है, जिस पल कोई मसीह में विश्वास करता है वो इसे उसी पल पाता है/

लेकिन मसीह के न्यायआसन का संबन्ध इससे है कि उसने हमें उद्धार देने के बादहम मसीह के लिए कैसे जीए,मसीह के लिए हम ने जो भी किया उसका मुल्यांकन कर प्रतिफल दिया जाएगा/

लेकिन क्या मसीह के न्याय आसन के सामने आँसू होंगे? क्या प्रतिफल, आदर और सौभाग्य खो दिए जाएंगे, जो स्वर्ग में पुरे अनंतकाल तक हमारे स्थर को निश्चित करेगा?

बाइबल से इन सवालों का जवाब पाने के लिए, आज हमारे मेहमान हैं, डॉ. अरवीन लुथजर, शिकागो, इलेनॉय, के मुड़ी चर्च के सीनियर पास्टर, हमारे साथ जुड़ने का हम न्योता देते हैं/

*****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: स्वागत है, मैं जानता हूँ कि बहुत से लोग विश्वासी हैं, औरबाइबल इस तरह कहती है कि जब हम मरेंगे, तो हम सब मसीह के न्याय आसन के सामने खड़े होंगे, ये न्याय क्या है? मैं चाहता हूँ कि आप मेरे मित्र डॉ. अरविन लुथजर के साथ हमारी चर्चा को सुनिए, ये मुड़ी चर्च के सीनियर पास्टर हैं, ये इस सवाल का जवाब देते हैं, सुनिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जानते हैं, मैं सोचता हूँ कि ये अद्भुत सच्चाई है, मैं कल्पना कर सकता हूँ कि यीशु मसीह की आँखों में देखते हुए, आमने-सामने खड़े हुए, और वो मुल्यांकन करेगा उन सारी बातों का जो हमने किए हैं, हमारे विश्वास में आने के बाद, बाइबल यही तो सिखाती है, कि हम मसीह के न्याय आसन के सामने खड़े होगे,जानते हैं ग्रीक शब्द आया है, बिमा, और इसका कारण है कि ये उठाया गया ऐसा मंच हैं कुछ ग्रीक, और रोमन वहां खड़े होते थे, औरजो न्यायाधीश हैं वो पारितोषिक देते, उन्हें जो दौड़ या खेल में जीते हैं/

और प्रेरित पौलुस कहता है जैसे आज हम दूसरा कुरिन्थियो अध्याय 5 में देखेंगे,क्योंकि हम सब मसीह के न्याय आसन के सामने खड़े होगे/

वो विश्वासियों के बारे में कह रहा है, वोखुद के बारे में कह रहा है,वो आपके और मेरे बारे में कह रहा है/और बहुत से विश्वासियों में ये विचार होता है, क्योंकि यीशु मसीह हमारे पापों के लिए मरा तो हम किसी तरह बिना मुल्यांकन से स्वर्ग में चले जाएगे, और बाइबल बहुत स्पष्ट है, कि यीशु मसीह निश्चिय ही हमारा मुल्यांकन करेगा, एक एक करके/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: यदि आप और मैं जो विश्वासी हैं, औरयीशु मसीह द्वारा हमारा मुल्यांकन होगा, तो हमने इस न्याय के बरे में ज्यादा क्यों नही सुना? क्या होनेवाला है? डॉ. लुथजर बतातेहैं/

डॉक्टर अरविन लुथजर: खैर जॉन, लोगों में बहुत गलत धारणा हैं, उदाहरण के लिए, लोगों ने मुझ से कहा, क्या कलवरी सबकुछ पूरा नही करता? मतलब जब मैंने यीशु पर विश्वास किया, उसने मेरे पाप उठाए और उसे समुन्द्र की गहराई में फ़ेंक दिया, औरवो अब उन्हें स्मरण नही करता, याने मैं स्वर्ग में जाऊँगा, चाहे जैसे भी जीउ, बिना किसी मुल्यांकन से/

जी, ये गलत धारणा है, क्योंकि ये सच है कि नैतिक रूप में, यीशु मसीह में हमारे पाप क्षमा किए गए हैं, औरहम सदा के लिए परमेश्वर के हैं, हमपरमेश्वर के सामने न्यायिक रूप में सही बनाए गए हैं,हम इसी तरह स्वर्ग में प्रबेश करते हैं, लेकिनइसका ये अर्थ नही कि परमेश्वर न्याय आसन पर हमारे जीवन का मुल्यांकन नही करेगा/

ये एक वचन है, दूसरा कुरिन्थियो अध्याय 5, मैं इसके बारे में बता रहा हूँ,क्योंकि अवश्य है कि हम सब का हाल मसीह के न्याय आसन के सामने खुल जाए, कि हर एक व्यक्ति अपने अपने भले बुरे कामों का बदला जो अपने देह के द्वारा किए हो पाए/और ये इस आशा को पूरी तरह से दूर करता है कि चाहे हम जैसे भी जीवन जीए कोई बात नही कभी भी गंभीर रूप में हमारा मुल्यांकन नही होगा/

इसके बारे में सोचिए, यहाँ हनन्याह और सफिरा थे, हम जानते हैं कि वो विश्वासी थे, और उन्होंने यीशु पर विश्वास किया, फिरभी उनका न्याय किया गया, प्रेरित अध्याय 5 में हम देखते हैं, उन्होंने झूठ कहा था इसलिए वो न्याय में मर गए, क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि वो स्वर्ग में पहुंचकर कहते हैं, परमेश्वर हमारा न्याय क्यों करेगा? पतरस ने हमें बताया कि कलवरी ने पूरा किया है/

जी, हाँ अवश्य ही मसीह में विश्वास के कारण, वो नैतिक ठहराए गए, लेकिनसच तो ये है कि परमेश्वर अभी भी न्याय करता पापियों को धर्मी ठहराता है, बिलकुल दाऊद जैसे उसने दो पाप किए, हत्या और व्यभिचार, और बेथशिबा द्वारा पैदा हुआ बच्चा मर गया, क्योंकिये न्याय था/अब ये दिलचस्प है कि दाऊद के पाप क्षमा किए गए, दाऊद स्वर्ग में होगा, और परमेश्वर पृथ्वी पर आज्ञाभंग करने के कारण न्याय करता है, तो सच ये है किस बात में विश्वास करने में कोई अनिश्चित बात नही है कि वो सच में हमारा न्याय करेगा, जब हम मसीह के न्याय सिंहासन केसामने उसके आगे खड़े रहेंगे/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अब क्या फर्क है मसीह के न्याय आसन में, औरउस न्याय में जिसे महान श्वेत सिंहासन का न्याय कहते हैं? सुनिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जॉन, सचमें बहुत से लोग ये नही जानते हैं कि सच में बाइबल में दो न्याय(के बारे में बताया)हैं,और एक न्याय है जिसे महान श्वेत सिंहासन का न्याय कहते हैं, वहां पर पुरे युग में जितने भी लोग मरे जिन्होंने मसीह पर उद्धारक के रूप में विश्वास नही किया, जिन्होंनेसच्चे परमेश्वर पर विश्वास नही किया,वो ही वो हैं जिनका न्याय परमेश्वर करेगा, औरदुर्भाग्यवशउनका न्याय नरक होगा, लेकिन न्याय सभी के लिए एक जैसे नही होगा/

लेकिन इसी तरह से अब हम ऐसे न्याय के बारे में कह रहे हैं,जो स्वर्ग में होगा, ये विश्वासियों का न्याय है, यीशु मसीह के न्याय आसन के सामने ये मुद्दा नही है, कि क्या हम विश्वासी हैं या नही हैं, या क्या हम स्वर्ग में प्रवेश

करेंगे या नही, सच्चाई तो ये है, कि हम सब जो मसीह के न्याय आसन के सामने प्रकट होते हैं, हम स्वर्ग में होंगे, लेकिनजैसे नरक सब के लिए एक जैसे नही होगा, स्वर्ग भी सब के लिए एक जैसे नही होगा,वहां जिम्मेदारी का अलग स्थर होगा/

अब बहुत से लोग ये कहते हैं, ठीक है, यदि आप विश्वासियों के न्याय के बारे में विश्वास करते हैं, तो हमारे कामों में कुछ मूल्य होना चाहिए, चलिए मैं स्पष्ट बता दूँ कि उद्धार के पहले,हमारे कामों का कोई मूल्य नही था/बाइबल बहुत ही स्पष्ट रूप में बताती है, किविश्वास के द्वारा अनुग्रह ही हमारा उद्धार हुआ है, और ये तुम्हारी ओर से नही वरन परमेश्वर का वरदान है, ये कामों से नही है/

याने इस पल यदि कोई देख रहा है और सोच रहा है कि परमेश्वर उनका मुल्यांकन करेगा कि क्या वो स्वर्ग में जा सकते हैं या नही, ये उनके कामों पर आधारित होगा, तो वो गलत हैं, उन्हें मसीह को स्वीकार करना है कि अनन्त जीवन का मुफ्त वरदान पाए, जो वो विश्वास करनेवाले को देता है,लेकिन कुछ भी हो मसीह पर विश्वास करने के कारण, हमारे कामों के लिए हमारा न्याय होता है/

अब जॉन, जैसे हमने कहा है, तो कुछलोग कहते हैं, हमारे काम हमेशा बुरे हैं, इसलिएहमारे काम कैसे परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाले हो सकते हैं? खैर, शुभ सन्देश तो ये है, वचन कहता है कि एक बार जब उद्धार पाते हैं, तो हम इन भले कामों के लिए उद्धार पाते हैं, येभले काम परमेश्वर को प्रसन्न करते हैं,ये सच है और हम इसे और भी विवरण से देखेंगे, आगे के प्रोग्राम में, ये सच है कि हमारे काम हमेशा बुरे होते हैं,लेकिन खुशखवर ये है कि यीशु मसीह इन कामों को पिता द्वारा स्वीकार करनेयोग्यबनाता है,बाइबल कहती है कि हमें आत्मिक बलिदान चढाने होगे, जोपरमेश्वरको ग्रहणयोग्य हो, यीशु मसीह के द्वारा/और इसलिए यीशु बिना शर्म से,लोगों से कहता है कि यदि वो विश्वासयोग्य रहे,तो उन्हें प्रतिफल मिलेगा/

उदाहरण के लिए लूका अध्याय 14 में, वो उसके बारे में कहता है जो बुलाते हैं, लंगड़े को, अंधे को, वो जो उस भोज के लिए कुछ भी नही दे सकते हैं, वो कहता है ऐसा ही करो, क्योंकि तुम्हें उसका फल मिलेगा, उस न्यायी के पुनरुत्थान पर/ तो हमारे कामों का मूल्य परमेश्वर की दृष्टी में होता है,और ये पहचानना हमारे लिए महत्वपूर्ण है, कि आज हम जिस तरह से रहते हैं, उसकेअनन्तकाल के परिणाम हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अब क्या ये विश्वासी का स्वर्थी होना होगा कि वो मसीह के लिए केवल प्रतिफल पाने के लिए ही जीता है? क्या ये गलत नही है? लेकिन हमारे प्रभु के अनुसार ये ऐसा नही है, सुनिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जानते हैं, जॉन, जैसे ये कहा गया मैं हंसा, क्या हम परमेश्वर से प्रेम करते हैं, इसलिए उसकी सेवा करनी नही चाहिए, प्रतिफल के लिए नही, ये बहुत धार्मिक सुनाई देता है/जी, अवश्य ही परमेश्वर हमारी आराधना और सेवा के योग्य है,चाहे हमें प्रतिफल मिलेया न मिले/लेकिन प्रतिफल का विचार तो हमारानही है, पिता हमें प्रतिफल देकर प्रसन्न होता है, और ये पिता का विचार है कि वो हमें आशीष देगा/इसलिए नए नियम में बहुत से लोग हैं, पूराने और नए नियम में, वो प्रतिफल से उत्साहित हुए/देखिए एक कारण है जिससे हम परमेश्वर से दूर रहते हैं, वो तो स्वार्थ के कारण है,लेकिन आज मैं आप से ये पूछता हूँ,क्या ये गलत है कि आप मसीह को प्रसन्न करना चाहते हैं इसलिए परमेश्वर की सेवा करते हैं? मैं आशा करता हूँ कि आप जान गए कि उसे प्रसन्न करना महत्वपूर्ण है, और मैं सब इसके बारे में सोचता हूँजॉन,कल्पनाकीजिए कि यीशु की आँखों में देख रहे हैं, उससे अच्छा काम किया सुनना मुझे पसन्द है/

और प्रेरित पौलुस यही तो कहता है,और ये बहुत महत्वपूर्ण वचन है, हमने पहले ही देखा है, लेकिन मैं इसे पढना चाहता हूँ कि हम इसे समझ सके, स्पष्ट रूप में समझ सके/ जब वो कहता है दूसरा कुरिन्थियो अध्याय 5 वचन 10में,कि हम मसीह के न्याय आसन के सामने खड़े होगे,वो कहता है, इस कारण हमारे मन की उमंग यह है कि चाहे साथ रहे चाहे अलग रहे, पर हम उसे भाते रहें/और फिर वो कहता है कि हम सबको मसीह के न्याय आसन के सामने खड़े रहना होगा/ और ये कहने के बाद,वो वचन 11 में कहता है,इसलिए प्रभु का भय मानकर हम लोगों को समझाते हैं/

बहुत से लोग इसे देखकर कहते हैं कि शायद प्रेरित पौलुस अविश्वासियों के बारे में कह रहा होगा/ लेकिन इस संबन्ध में वो हमारे बारे में कह रहा है,अब हम बहुत समय लेकर उन सारी बातों को संतुलन में रखेंगे, कि ये जाने की यीशु मसीह का न्याय आसन ऐसा नही जिससे हम डरते हैं,लेकिन कुछ भी हो युहन्ना कहता है कि हमे इस तरह से रहना चाहिए, कि हम उसके आगमन पर शर्मिन्दा न हो/

मैं क्या कह रहा हूँ, बस यही, पारितोषिककेद्वारा प्रोत्साहित होने में कुछ गलत नही है, जब तक हम ये जानते हैं कि मुख्यप्रतिफल तो मसीह की सहमती पाना है,कि उसे प्रसन्न करे,अब इसके सन्दर्भ में,वचन में देखिए कि हर लोग प्रतिफल के द्वारा प्रोत्साहित हुए, यीशु प्रोत्साहित हुआ, क्यों? उसके सामने जो आनन्द रखा गया था, उसने क्रूस को सह लिया/

अब्राहम के बारे में क्या जिसने ऐसे शहर को देखा, जिसकी बुनियाद थी, जिसका बनानेवाला और उभारनेवाला परमेश्वर था/ इब्रानियों के अध्याय 11 के बारे में क्या? मूसा प्रोत्साहित हुआ था,क्योंकि वो आनेवाले प्रतिफल के लिए आदर रखता था/

पौलुस कहता है कि मैं दौड़ता हूँ और सत्य को थाम लेता हूँ, कि मेरा दौड़ना व्यर्थ न हो/इसलिए इन सब कारणों के लिए हमें भला करने के लिए प्रोत्साहित होना चाहिए,मुझे पसंन्द हैं, जोनाथन एडवर्ड इस महान थियोलोजीयन ने कहा, कि उनकी इच्छा है कि जितना हो सके उतना भविष्य के जीवन में ख़ुशी पा सके यहाँ विश्वासयोग्य रहने के द्वारा/ये कोई स्वार्थी बात नही थी, वो यीशु को प्रसन्न करना चाहते थे, और आशा है कि आप भी चाहते हैं, यही सही प्रेरणा है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: यही सवाल है, यदि परमेश्वर विश्वासियों को मसीह के लिए जीने के लिए प्रतिफल देना चाहता है,तो क्या प्रतिफल एक-एक के लिए होगा, याने इतने काम के लिए इतना ही दाम मिलेगा, तो जवाब है नही, हमारे प्रभु के अनुसार, हमाराप्रतिफल तो हम जिसके लायक हैं उससे भी बहुत उदार होगा/ सुनिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: देखिए हमें ये जानना जरूरी है कि जब हम प्रतिफल के बारे में कहते हैं,तो हम निश्चित दाम के बारे में नही कह रहे हैं, याने इतने दिन काम किया, येतनखाहजैसे नही है/ जानते हैं वचन सिखाता है कि हम जो कमा सकते हैं उससे भी बढकर परमेश्वर हमें देना चाहता है/सच में हमें ये देखना होगा कि प्रतिफल कमाया नही जा सकता, परंपरा के रूप में,वचन को समझने के द्वारा/ पिता अपने बच्चों को देने से प्रसन्न होता है/

मैं आपको बताऊ कि उसने हमें उसकी सेवा करने का मौका क्यों दिया है,येकेवल इस लिए है, क्योंकि वो हमें परखना चाहता है कि हमें देखे कि क्या हम बड़ी जिम्मेदारीयों के लिए तैयार हैं या नही/और अवश्य ही हम परमेश्वर से प्रेम करते हैं, इसलिए प्रोत्साहित होते हैं, लेकिन हम परमेश्वर से प्रेम करते हैं इसलिए उसे प्रसन्न करना चाहते हैं,हम वो सब हो सकते हैं जो सृष्टिकर्ता परमेश्वर हमें बनाना चाहता है/ और यही प्रेरणा है, और यदि हम इस तरह से रहे और इसके साथ रहे, तो अनुग्रह से वो प्रतिफल आते हैं जो परमेश्वर विश्वास करनेवालों को देता है,तो हमें प्रतिफल की ओर देखना होगा, कि ये अद्भुत मौका है कि परमेश्वर के लिए हमारी इमानदारी और विश्वासयोग्यता को साबित करें,और इसके साथ हम देखेंगे कि ये संभव है कि प्रतिफल को खो दे,

यीशुमसीहके न्याय आसन के सामने बहुत कुछ खो दे, और ये भी संभव है कि बहुत कुछ पाए, जब आप अनन्तकाल के प्रतिफल के बारे में सोचते हैं, तो आप केवल अपनी समझ की सीमा तक आते हैं/

*****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अब एक और सवाल, मसीह के न्याय आसन के बारे में कहते हुए,क्याविश्वासी लोग उन मुकुट को नही लेंगे जो उन्हें दिए जाएंगे? और उन्हें मसीह के पैरों पर रख देंगे, इसलिए मसीह के साथ हमारी पहली मुलाकत में, तो हमने अपना जीवन कैसे जीया इससे फर्क नही पड़ता है? लेकिन ये ऐसा नही है, सुनिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जॉन, मैं सोचता हूँ कि जब कोई मुझ से ये कहता तो मेरे पास एकडॉलर होता,क्या आप ये नही सोचते कि कुछ भी हम अपने मूकुट मसीह के पैरों पर रखनेवाले हैं? और इस कारण कोई फर्क नही पड़ता कि मैं कैसे भी मसीही जीवन जीता हूँ,क्योंकि अनन्तकाल में 10 मिनट बिताने पर मैं भूल जाऊँगा कि मैं कितना बुरा जीवन जीया हूँ, और सबकुछ मधुर और हल्का होगा, इससे कोई फर्क नही पड़ता है,खैर, कुछ बातें बताता हूँ, सबसे पहले, आप जिस तरह यहाँ पर रहते हैं, उसके अनन्तकाल के परिणाम होते हैं, अनन्तकाल में 10 मिनट बितानेके लिए भी ये मायने रखता है कि यहाँ यीशु मसीह के लिए कैसे जीए या उसके लिए नही जीए/ ये बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन दूसरी बात कि प्रतिफल कोई मेडल नही है जिसे हम यीशु के चरणों पर डाल देंगे, अवश्य ही यदि हमारे पास मुकुट है तो हम खुशी से उसके चरणों पर डाल देंगे, उस मुद्दे पर सवाल नही है, लेकिन मुकुट अपने आप में प्रतिफल नही है/

अब कईबार प्रेरित पौलुस धार्मिकता के मुकुट के बारे में कहता है,और ये सब, और आगे के प्रोग्राम में हम देखेंगे कि ये संभव है कि हम बहुत से अलग अलग मुकुट पाए, कम से कम बहुत से मुकुट पाए/

अब हम आपको यही बताएगे, और वो ये है कि प्रतिफल तो हमारे भविष्य की जिम्मेदारी हैं, भविष्यके सौभाग्य हैं,अवश्य है यदि हमारे पास मुकुट हैं तो हम खुशी से उसे मसीह के चरणों पर डाल देंगे, शायद वो हमें वापस लौटा दे, क्योंकि बाइबल कहती है, किहम सदा सदा के लिए राज्य करेंगे, लेकिन हम अपने आपको इस विचार से दूर रखे, कि प्रतिफल तो मुकुट के तुल्य हैं, और ये मुकुट मसीह के चरणों परअर्पण होगे, इसलिएप्रतिफल महत्वपूर्ण नही हैं/वो तो बहुत बहुत महत्वपूर्ण हैं,आप और मसीह, आमने-सामने होंगे, आपका सारा जीवन

आपके सामने होगा, बाइबल कहती है कि हमें शरीर में जो काम किए उसका लेखा देना होगा, चाहे वो भले हो या बुरे हो/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: शायद आप सोच रहे होगे कि मैं विश्वासी हूँ, लेकिन जैसे मुझे मसीह के लिए जीना चाहिए वैसे मैं नही जी रहा हूँ, इसलिए मैं स्वर्ग में चला जाऊँगा, पीछे की कतार में रहूँगा और बहुत कुछ नही करूंगा, खैर, सच कहे तो ऐसा नही होनेवाला, सुनिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जानते हैं, जॉन एक दिन एक भाई ने मुझे कहा, मैं विश्वासी हूँ लेकिन मैं मसीह के लिए नही जी रहा हूँ, उसने कहा, देखिए जब तक कि मैं स्वर्ग में जाता हूँ, और पीछे में बैठा रहूँ तो भी खुश रहूँगा, ये बहुत धार्मिक सुनाई देता है, हैं ना?लेकिन मैनें उनसे कहा कि यदि आप पिछली कतार में हैं, ये इस सच्चाई के कारण हैं कि आपने मसीह को प्रसन्न नही किया है? यदि वो आपको सामने की कतार में लाना चाहता था, लेकिन आप पीछे हैं क्योंकि आपने उसे प्रसन्न नही किया है, और आप उसके लिए नही जीए हैं/

देखिए, ये जानना हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है,कि मसीह के न्याय आसन का संबन्ध मसीह के हमारे रिश्ते से जुड़ा है, और क्या हमने अपने उद्धार को प्रसन्न किया है, जिसने हमें छुड़ाने के लिए अपना लहू बहाया है,यही मुद्दा है,और मैं आप से ये कहता हैं और ये मेरा अनुभव रहा है,जब मैं लोगों को कहते सुनता हूँ ठीक है, मैं स्वर्ग में एक झोपडी में ही खुश हूँ, इन में से बहुत से लोग पृथ्वी पर छोटी झोपडी में खुश नही हैं, वो हर कोशिश करते हैं कि सबसे बड़ा घर बनाए, और सबसे ज्यादा धन जमा करना चाहते हैं, मैं कहता हूँ कि क्या ये अजीब नही है, कि वो स्वर्ग में छोटे कैबिन में खुश हैं, लेकिन पृथ्वी पर ये नही चाहते हैं/

मैं चाहता हूँ कि आप जाने ले दोस्तों की मसीह का न्याय आसन बहुत ही महत्वपूर्ण है,अगले प्रोग्राम में हम चर्चा करेंगे कि मसीह क्या देखना चाहता है, और बिलकुल सटीक तरह से हम इसका परीक्षण करेंगे, और हम ऐसे सवालों का जवाब देंगे जैसे कि क्या हम अपने पापों को देखेंगे और ये मुल्यांकन किस तरह से होगा, लेकिन अब मैं चाहता हूँ कि आप जान ले, किये रोमियों की पत्री में कहता है,हर मनुष्य अपने लिए परमेश्वर को लेखा देगा/

जानते हैं, जब मैं गाता हूँ,मैंहमेशा क्वायर में या सभा में गाना चाहता हूँ,मैंने कभी लोगों के सामने सोलो में नही गाया/लेकिन मैं आपको बताना चाहता हूँ कि जब हम यीशु मसीह के सामने खड़े होगे,तो क्वायर में नही होंगे, आप किसी के पीछे नही छिप पाएगे, कि आशा करे कि अटर्नी सबसे अच्छी चीज़ आपको दे दे, वहां केवल आप

और यीशु मसीह होंगे,केवल आप और पूरी वास्तविकता अपने पुरे विवरण के साथ, येडरानेवाला है, लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप जाने की ये तस्सली भीदेता है,इसके कारण हम दूसरे प्रोग्राम में देखेंगे/

और याद रखिए हम सब इसमें होंगे, हमें एक साथ रहना है, और हम यीशु मसीह को देखेंगे, औरशायद हम चौक भी जाएँगे कि वो हमें प्रतिफल देने में कितना उदार है,याने यदि उस पर उद्धारक के रूप में विश्वास नही किया है, यदि आप ने उस पर विश्वास नही किया, आज मैं आपको बताना चाहता हूँ कि आपने भले कामों के साथ नही आए हैं, आप अपने पापों के साथ आते हैं कि उसे स्वीकार करें,आप उसके बेटे या बेटी होने केबाद, फिर आप उसे प्रसन्न करने के लिए जीते हैं, और फिर आप किसी दिन हम सब लोगों के साथ प्रकट होगे, यीशु मसीह के न्याय आसन के सामने आएँगे/और ये तो प्रकट करने का समय होगा, वास्तविकता का समय होगा,लेकिन साथ में ऐसा समय भी होगा जहाँ बाइबल कहती है, कि हरकोई परमेश्वर की स्तुति करेगा,वो हमारे जीवन में कुछ देखेगा जिसके बारे में अच्छा कहे, यीशु ने कहा यदि एक ग्लास पानी भी मेरे नाम से दिया गया हो, तो तुम अपना प्रतिफल नही खोएंगे, आशा करता हूँ कि आप हमारे साथ बने रहेंगे, क्योंकिहम ऐसे सवालों पर चर्चा करेंगे, जोलोगों के पास उस खास दिन के बारे में हैं,और मैं ये कहता हूँ कि आज आप जो व्यक्ति हैं, वो आपको तैयर कर रहा है कि पुरे अनन्तकाल का व्यक्ति हो जाए/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: यदि आप अभी परेशानहैं कि परमेश्वर के सामने अपनेसारे पापों के साथ खड़े रहेंगे,तो बाइबल में शुभसन्देश है और ये जानकारी आपके लिए है/ सुनिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जानते हैं, सुसमाचार का शुभसन्देश यही है, शायद कोई सोच रहा है कि मैंने बहुत पाप किया है, मैं चाहता हूँ आज आप जान ले कि यीशु मसीह पापियों के लिए मरा,हमारे पाप हमें परमेश्वर से दूर न ले जाए, हमारे पाप हमें परमेश्वर के पास लाए, क्योंकि यीशु मसीह में प्रयोजन है, और यदि आप ये सोच रहे हैं कि आपने बहुत पाप किए हैं कि परमेश्वर आपको क्षमा नही कर सकता है, तो चलिए आप से कहता हूँकि यदि आप विश्वास करते हैं कि यीशु ने वो सब किया जिसके कारण आप परमेश्वर कि उपस्थिति में खड़े हो, औरआप ये विश्वास करते हैं, तो आप उद्धार पाएंगे और आप अनन्त दण्ड में नही आएगे/इसे बहुत बहुत स्पष्ट कर ले/मसीह में विश्वास के द्वाराहमें क्षमा किया गया है, ये कामों की बात नही, ये ऐसी बात नही कि अपने दिल से कुछ लाकर कहना कि प्रभु हम ये तुझे देते हैं, क्योंकि हम अपने दिल से जो भी लेते हैं वो पापमय है, लेकिन हम मसीह के पास नम्रता में आते हैं, हम उसे उद्धारक स्वीकार करते हैं,फिर हम उसे के बेटे और

बेटियां बनते हैं, फिर वो हमारा मुल्यांकन करता है, न्याय करता है जैसे मैं अपने बच्चों के साथ करता हूँ, उनका मुल्यांकन करना, और जरूरी होने पर अनुशासित करना, हम आजके प्रोग्राम में यही कह रहे हैं/

याने हरएक के लिए आशा है, जो विश्वासी यीशु मसीह के लिए नही जी रहा है, आज मैं आपको बताना चाहता हूँ कि पश्चाताप और विश्वास के द्वारा, और समर्पण के द्वारा आज आप कुछ कर सकते हैं, जिसके लिए आपको प्रतिफल मिलेगा, क्योंकि यीशु उदार है, ये न भूले कि जो व्यक्ति विश्वासी के नाते हमारा न्याय करता है, वो हमारा उद्धारक और हमारा भाई है/ये तो यीशु मसीह का न्याय आसन है, तो, इस बात को अच्छे से जान ले, यदि यीशु पर विश्वास नही किया तो आज ही कीजिए, यदि उद्धारक के रूप में उसे जानते हैं तो उसके लिए जीए/ क्योंकि हम जिससे प्रेम करते हैं उसे लेखा देनेवाले हैं/

****

हमारे टीवी प्रोग्राम देखने के लिए मुफ्त में डाऊनलोड कीजिए जॉन एन्करबर्ग ाो एप

"घ्द्धठ्ठन्र् द्यदृ ठ्ठड़ड़ड्ढद्रद्य ख्ड्ढद्मद्वद्म क्ण्द्धत्द्मद्य" ऋ ख्ऋद्मण्दृध्र्.दृद्धढ़

@JAshow.org

क्दृद्रन्द्धत्ढण्द्य 2016 ऋच्ड्ढक्ष्